

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग **II--खण्ड** 3---उपलण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 60]

नई विल्ली, मंगलवार, फरवरी 3, 1976/माघ 14, 1897

No. 601

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 3, 1976/MAGHA 14, 1897

स भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 3rd February 1976

S.O. 75(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 6 of the Burn and Company and Indian Standard Wagon Company (Taking Over of Management) Act, 1973 (57 of 1973), the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act. 1956 (1 of 1956), shall continue to apply to the Burn and Company Limited and the Indian Standard Wagon Company Limited in the same manner as it applied thereto before the commencement of the said Act.

SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956	Exceptions, Restrictions and Limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the companies.
(1)	(2)
Section 293 (1) (d)	The provisions of this section shall not apply.

[No. F.7(46)/75/HM-III]

S. M. GHOSH, Jt. Secy.

उद्योग धौर नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(भारो उद्योग विभाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1976

का० ग्रा० 75 (श्र).—केन्द्रीय सरकार, बर्न कम्पनी ग्रीर इण्डियन स्टैण्डर्ड बैगन कम्पनी (प्रबन्ध-ग्रहण) ग्रिधिनियम, 1973 (1973 का 57) की धारा 6 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ऐसे श्रपवाद, निर्बन्धन ग्रीर परिसीमाएं विनिर्दिष्ट करती है, जिनके श्रधीन रहते हुए कम्पनी श्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) बर्न कम्पनी लिमिटेड तथा इण्डियन स्टैण्डर्ड वैगन कम्पनी लिमिटेड को उसी रीति में लागू रहेगा जैसा वह उवत श्रधिनियम के प्रारम्भ के पूर्व उन्हें लागू था।

भनुसूची

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 के उपबन्ध ऐसे श्रपधाद, निर्बन्धन भ्रौर परिस्तिमाएं, जिनके भ्रधीन रहते हुए स्तम्भ (1) में उल्लिखित उपबन्ध कम्पनियों को लागू होंगे ।

(1)

(2)

धारा 293 (1) (घ)

इस धारा के उपबन्ध लागू नहीं होंगे।

[फा॰ स॰ 7 (46)/75-एच॰ एम॰-III]

एस० एम० घोष, संयुक्त सचिव।